सामान्य मनोविज्ञान का परिचय

प्रकृति और क्षेत्र

परिचय :-

सामान्य मनोविज्ञान मनोविज्ञान की वह शाखा है जिसमें मनुष्य और अन्य प्राणियों (जानवरों, पक्षियों आदि) के व्यवहार का तुलनात्मक अध्ययन किया जाता है। इसका उद्देश्य यह समझना होता है कि व्यवहार, सीखना, बुद्धि, भावना और अनुकूलन के सिद्धान्त विभिन्न प्रजातियों में कैसे कार्य करते हैं।

उदाहरण के लिए :- मनुष्य और बन्दर दोनों में सीखने की प्रक्रिया का अध्ययन कर यह जाना जाता है कि मानव व्यवहार का विकास किस प्रकार हुआ।

प्रकृति :-

Nature सामान्य मनोविज्ञान की प्रकृति निम्न लिखित बिन्दुओं में समझी जा सकती है -

1) वैज्ञानिक (Scientific) :- यह प्रयोगों, निरीक्षणों और नियंत्रित परिस्थितियों में व्यवहार का अध्ययन करता है।

2) तुलनात्मक (comparative) :- यह विभिन्न जीवों के व्यवहार की तुलना करके सामान्य सिद्धान्त स्थापित करता है।

3) प्रायोगिक (Experimental) :- इसमें पशुओं पर प्रयोग किए जाते हैं ताकि व्यवहार के मूल सिद्धान्तों को समझा जा सके।

03

4) विकासात्मक (Evolutionary):- यह व्यवहार के विकास और उत्पत्ति को जैविक विकास से जोड़कर देखता है।

5) निष्पक्ष (objective):- इसमें व्यक्तिगत भावनाओं या पूर्वाग्रहों का प्रभाव नहीं होता।

क्षेत्र (Scope):- सामान्य मनोविज्ञान का क्षेत्र बहुत व्यापक है। इसके प्रमुख क्षेत्र निम्नलिखित हैं —

1) सीखने का अध्ययन (Study of Learning):- पशु और मनुष्य दोनों कैसे सीखते हैं, कौन से कारक सीखने को प्रभावित करते हैं।

2) प्रेरणा और भावनाएँ (Motivation and Emotions):- विभिन्न प्रजातियों में भावनात्मक प्रतिक्रियाओं और प्रेरक तत्वों का तुलनात्मक अध्ययन।

3) बुद्धि और समस्या समाधान (Intelligence and Problem Solving):- यह देखा जाता है कि विभिन्न जीव समस्याओं को किस तरह हल करते हैं।

4) सामाजिक व्यवहार (Social Behavior):- पशुओं के समूह व्यवहार, नेतृत्व, सहयोग और संचार

की तुलना मानव समाज से की जाती है।

5.) विकासात्मक अध्ययन (Developmental study)
जन्म से लेकर वयस्क अवस्था तक व्यवहार के विकास का अध्ययन।

6.) अनुकूलन और पर्यावरण (Adaptation and Environment):-
जीव अपने पर्यावरण के अनुसार व्यवहार में किस प्रकार परिवर्तन करते हैं।

सामान्य मनोविज्ञान हमें यह समझने में मदद करता है कि मानव व्यवहार प्राकृतिक विकास की एक कड़ी है। यह मनुष्य को अन्य जीवों से जोड़ता है और यह दिखाता है कि व्यवहार जैविक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारकों के मिलन का परिणाम है।

SUNDAY 05